एम.एच.डी.-13

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

एम.एच.डी.-13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. "प्रेमचंद के उपन्यासों में राष्ट्रीय मुक्ति आन्दोलन के प्रतिबिम्बन का सफल प्रयास दिखाई देता है ।" — इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए । *10*

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

2. भारतीय उपन्यासों में अभिव्यक्त ग्रामीण जीवन का संक्षिप्त परिचय दीजिए । *10*

अथवा

भारतीय उपन्यासों में उपस्थित मानवतावाद पर प्रकाश डालिए ।

3. उपन्यास के उदय की प्रक्रिया समझाते हुए पूँजी और उपन्यास के अंतःसम्बन्ध को भी रेखांकित कीजिए । *10*

अथवा

उन्नीसवीं सदी के अंग्रेज़ी उपन्यासों की विशेषताएँ बताइए ।

4. औपन्यासिक भाषा की विशिष्टता को आप किस प्रकार रेखांकित करेंगे ? सोदाहरण उत्तर दीजिए । *10*

अथवा

उपन्यास की आलोचना के वैचारिक आधारों को स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) उपन्यास और जीवनी

(ख) फ़ंतासी और यथार्थ

(ग) तुर्गनेव की औपन्यासिक दृष्टि

(घ) उपन्यास में नायकत्व की संकल्पना